an>

Title : Need to provide compensation to victim and to take strict action against the culprits involved in the reported removal of eyes of a pilgrim at Faizabad, Uttar Pradesh.

श्री रवीन्द्र कुमार राय (कोडरमा) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मेरा अनुरोध है कि इस विषय को गंभीरता से लिया जाए, यह दो राज्यों का मामला है। जिस व्यक्ति के साथ घटना घटी है, वह झारखण्ड का है, जहाँ पर घटना घटी है, वह उत्तर प्रदेश है। किसान हर वर्ष धान कटने के बाद अयोध्या जाते हैं और श्री कृष्णदेव वर्मा 24 दिसम्बर को तीर्थयात्रा पर अयोध्या गये। वे 28 तारीख को वहाँ से लौट रहे थे। फ़ैजाबाद रेलवे स्टेशन पर कुछ लोग उसे उठाकर ले गये। उसे ले जाकर, बेहोश करके उसकी दोनों आँखें निकाल ली। आँखें निकालकर बिना उसकी सिलाई किये हुए, उसे स्टेशन के बाहर फेंक दिया। वह रोता-चिल्लाता रहा। बाद में किसी पेट्रोलिंग पार्टी ने उठाकर उसे हॉस्पीटल में भर्ती कराया।

इस विषय पर मैंने फ़ैजाबाद के माननीय सांसद, वहाँ के डी.सी. तथा एस.पी. को फोन करके बताया, लेकिन अभी तक वे अपराधी नहीं पकड़े गये हैं। मैं झारखण्ड सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूँ, वहाँ के मुख्यमंत्री ने इस पीड़ित व्यक्ति को एक लाख रुपए की मुआवज़ा राशि दी। मैंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को अनुरोध पत्र भेजा कि वहाँ घटना घटित हुई है और अपराधियों ने ने इनकी दोनों आँखें निकाल ली। आप कल्पना नहीं सकते, मैं उस पीड़ित व्यक्ति के घर गया था, बड़ी दर्दनाक स्थिति है कि तीर्थस्थान पर दोनों आँखें निकाल ली गई। मैं आपके माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार से और भारत सरकार से अनुरोध करना चाहता हूँ कि उस परिवार को जिसके छोटे-छोटे बच्चे हैं, गरीब परिवार है, उसे सहायता मिले, उसे सहयोग मिले और ऐसी दर्दनाक घटना पर रोक लगाने की आवश्यकता है।